अंततः मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि इन लाभार्थियों की धनराशि का भुगतान तुरंत करें एवं उनके अकाउंट में पैसा मिले और राज्य के अकाउंट में भी पैसा मिले। महोदय, *...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः धन्यवाद। यह बात रिकॉर्ड पर नहीं जाएगी ...(व्यवधान)... आप केवल विषय पर बोल सकते हैं। अपने इस विषय के अलावा जो भी अतिरिक्त बात बोली है, वह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगी। You know the rules, please.

The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Prakash Chik Baraik: Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Sagarika Ghose (West Bengal), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Shri A. A. Rahim (Kerala), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shrimati Mausam B Noor (West Bengal) and Shri R. Girirajan (Tamil Nadu).

Now, Shri Amar Pal Maurya – 'Demand to establish Gram Sansad across the country under the Panchayati Raj system'.

Demand to establish Gram Sansad across the country under the Panchayati Raj system

श्री अमर पाल मौर्य (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। भारत मुख्य रूप से गांवों का देश है। भारत की कुल आबादी का लगभग 70 प्रतिशत गांवों में बसता है। मैं भी गांव का एक किसान हूं। महोदय, महात्मा गांधी जी ने भी कहा था कि विकास और शासन के मुख्य तत्व बड़े शहर नहीं हैं, उनका केंद्र बिंदु ग्राम है और भारत देश गांवों में बसता है। गांवों की व्यवस्था केवल कुछ दशक पुरानी नहीं है, बल्कि यह सदियों पुरानी व्यवस्था है।

महोदय, जिस प्रकार यह देश की संसद है और सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता बैठकर देश के विकास की चर्चा करते हैं, उसी प्रकार से गांव की भी अपनी एक संसद हो और वहां पर गांव के विकास की चर्चा हो और उसकी योजना बने। महोदय, देश में ढाई लाख से ज्यादा ग्राम पंचायतें हैं और 6 हज़ार से ज्यादा ब्लॉक्स हैं। मैं उत्तर प्रदेश से आता हूं, वहां ऐसी 58,194 ग्राम पंचायतें हैं, 7,32,000 से ज्यादा वार्ड के सदस्य हैं और 77 हज़ार से ज्यादा क्षेत्र पंचायत के सदस्य हैं। महोदय, इन सबको मिलाकर एक ग्राम संसद की स्थापना हो और जैसे हम यहां बैठकर विकास की चर्चा करते हैं, वैसे ही वह अपने गांव की चर्चा का एक केंद्र बिंदु बने। महीने में कम से कम 10 दिन ग्राम के विकास की योजनाओं को ग्राम पंचायत में बैठकर चर्चा का केंद्र बिंदु बनाया जाए, चूंकि अभी देखा जाता है कि गांव में ग्राम प्रधान और ग्राम सेक्रेटरी के बीच में ही गांव की पूरी योजना थैले में बंद रहती है। महोदय, पंचायती राज व्यवस्था में बहुत सारे लोगों ने हमेशा सुधार की चर्चाएं की हैं, चाहे 1957 में बलवंत राय मेहता की समिति हो, 1963 में के. संथानम की समिति हो, 1978 में अशोक मेहता की समिति हो, 1985 में जी.वी.के. राव की समिति हो और 1986 में

एम.एल. सिंघवी जी की समिति हो। इन सभी समितियों ने इस पर चर्चा की है कि जब ग्राम आधारित व्यवस्थाएं होंगी, तब गांव का विकास होगा।

(**सभापति महोदय** *पीठासीन हुए।*)

माननीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने गांव को केंद्र बिंदु बनाया है। विकास का केंद्र गांव को बनाया है। देश में जब 1857 की क्रांति हुई, तब अंग्रेजों ने गांवों की व्यवस्थाओं को देखा, इसलिए वे 1858 का एक्ट ले आए और गांवों की विकेंद्रीकरण की व्यवस्था को समाप्त करने का काम किया।

महोदय, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि गांवों में ग्राम संसद की स्थापना हो और गांवों के विकास की चर्चा हो, जिससे हमारी जो ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था थी, जिसे पुनः स्थापित करने में मोदी सरकार का योगदान है, वह आपके माध्यम से पुनः स्थापित हो। मैं इतना ही निवेदन करके अपनी बात को समाप्त करता हूं।

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Amar Pal Maurya: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra) and Dr. Fauzia Khan (Maharashtra).

12.00 **Noon**

[$] DISCUSSION ON THE WORKING OF THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS

MR. CHAIRMAN: Now, further discussion on the Working of the Ministry of Home Affairs, raised by Shri Saket Gokhale on 19th March, 2025. ...*(Interruptions)*... On 19th March, 2025, Dr. Sudhanshu Trivedi had not concluded his speech while participating in the discussion. Now, I call upon Dr. Sudhanshu Trivedi to conclude his speech. ...*(Interruptions)*... Dr. Sudhanshu Trivedi.

डा. सुधांशु त्रिवेदी: माननीय सभापति महोदय, जब मैं उस दिन अपना वक्तव्य दे रहा था, तो समाप्त होते समय माननीय गृह मंत्री जी ने आदेश दिया था कि जो संख्या मैंने approximate बताई थी, मैं उसको थोड़ा सुधार दूँ। ...(**व्यवधान**)... इसलिए आज मैं बताना चाहता हूँ कि पिछली लोक सभा में सबसे बड़ी जीत असम की धुबरी सीट पर 10,12,476 वोट से हुई थी, जहाँ सबसे बड़ा demographic change हुआ है। ...(**व्यवधान**)... परंतु इस सुधार के साथ मैं कुछ निखार या विकार भी बताना चाहता हूँ। मैं बताना चाहता हूँ कि पिछला लोक सभा चुनाव भारत के इतिहास

[$] Further discussion continued from the 19th March, 2025.